प्रोजेक्ट चीता

चर्चा में क्यों?

हाल ही में भारतीय वन्यजीव संस्थान (WII) ने मध्य प्रदेश के कुनो राष्ट्रीय उद्यान में प्रोजेक्ट चीता का मूल्यांकन किया है और दावा किया है कि यह केंद्र सरकार की एक सफल पहल है।

- इसने सरकार को गांधी सागर वन्यजीव अभयारण्य (GSWS) में **इसी तरह की परियोजना को लागू करने की योजना में तेज़ी लाने** के लिये प्रेरित किया है।

मुख्य बिंदु

- **प्रोजेक्ट चीता:**
  - यह **केंद्र सरकार की एक पहल है जिसका उद्देश्य भारत से विलुप्त हो चुके चीतों को पुनः** देश में लाना है ताकि **वैश्विक चीता संरक्षण में योगदान दिया जा सके ।**
    - मध्य प्रदेश के कुनो राष्ट्रीय उद्यान में चीतों का पहला **झुंड वर्ष 2022 में नामीबिया से** आएगा, इसके बाद **2023 में दक्षिण अफ्रीका से दूसरा झुंड आएगा।**
- **मुख्य परिणाम:**
  - पहले वर्ष में लाए गए चीतों की मृत्यु **दर अपेक्षित 50% सीमा से कम रही है।**
  - आयातित **20 चीतों में से 12 जीवित बचे हैं,** जिससे **लगभग 60% जीवित रहने की दर का संकेत मिलता है,** जो प्रारंभिक अपेक्षाओं से अधिक है।
  - कुनो में लाए गए चीतों से **17 शावकों का जन्म हुआ है, जिनमें से 12 वर्तमान में जीवित हैं।**
- **भारतीय वन्यजीव संस्थान:**
  - **यह पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के** अंतर्गत एक स्वायत्त संस्था है।
  - इसकी स्थापना **1982 में हुई थी।**
  - **इसका मुख्यालय देहरादून, उत्तराखंड** में है।
  - यह वन्यजीव अनुसंधान और प्रबंधन में प्रशिक्षण कार्यक्रम, शैक्षणिक पाठ्यक्रम और परामर्श प्रदान करता है।

गांधी सागर वन्यजीव अभयारण्य

- **स्थान:**
  - **वर्ष 1974 में अधिसूचित,** इसमें राजस्थान की सीमा से लगे पश्चिमी मध्य प्रदेश के **मंदसौर और नीमच** ज़िले शामिल हैं।
  - चंबल नदी इस अभयारण्य को लगभग दो बराबर भागों में विभाजित करती है तथा गांधी सागर बाँध अभयारण्य के भीतर स्थित है।

//

- **पारस्थितिकी तंत्र:**
  - इसके पारस्थितिकी तंत्र की वशिषता इसकी **चट्टानी भूमि** और **उथली ऊपरी मृदा (टॉपसॉइल) है**, जो सवाना पारस्थितिकी तंत्र को समर्थन देती है।
  - इसमें **खुले घास के मैदान हैं,** जनिमें सूखे पर्णपाती वृक्ष और झाड़ियाँ हैं। इसके अलावा, अभयारण्य के भीतर नदी घाटियाँ सदाबहार हैं।
- **चीतों के लयि आदर्श पर्यावास:**
  - इस अभयारण्य की **केन्या** के प्रसद्धि राष्ट्रीय रज़िर्व **मासाई मारा से समानता,** जो अपने सवाना वन और प्रचुर वन्य जीवन के लयि जाना जाता है, चीतों के लयि इसकी उपयुक्तता को उजागर करती है।

चीता (Cheetah)

सामान्य नाम: एशियाई चीता

वैज्ञानिक नाम: *एसिनोनिक्स जुबेटस (Acinonyx jubatus)*

- *एसिनोनिक्स जुबेटस जुबेटस* (एशियाई चीता)
- *एसिनोनिक्स जुबेटस वेनाटिकस* (अफ्रीकी चीता)

विशेषताएँ:

- विश्व का सबसे तेज दौड़ने वाला स्तनधारी
- चीते अपनी क्षमता के बजाय गति के लिये जाने जाते हैं; जब ये अपने शिकार का पीछा करते हैं तो यह केवल **200-300** मीटर के लिये तथा **1** मिनट से कम अवधि का होता है।
- शेर, लकड़बग्घे और तेंदुए जैसे अन्य शक्तिशाली शिकारियों से प्रतिस्पर्द्धा से बचने के लिये चीते मुख्य रूप से दिन के दौरान शिकार करते हैं।

अफ्रीकी चीता बनाम एशियाई चीता:

- **अफ्रीकी:** हल्के भूरे और सुनहरे रंग की **त्वचा; एशियाई चीते से मोटी**
  - ***चेहरों पर धब्बों तथा रेखाओं की प्रधानता***
  - *पूरे अफ्रीका महाद्वीप में पाए जाते हैं*
  - ***IUCN रेडलिस्ट में स्थिति: सुभेद्य (Vulnerable)***
- **एशियाई:** अफ्रीकी चीतों से थोड़े छोटे
  - ***हल्के पीले रंग की त्वचा: शरीर के नीचे विशेष रूप से पेट पर अधिक बाल***
  - ***केवल ईरान में पाए जाते हैं;*** *देश द्वारा यह दावा किया जाता है कि अब यहाँ केवल* ***12*** *चीते शेष हैं।*

एशियाई चीता

- **वर्ष 1952:** एशियाई चीता को **आधिकारिक रूप से भारत से विलुप्त** घोषित किया गया
  - ***IUCN रेडलिस्ट में स्थिति: घोर संकटग्रस्त (Critically Endangered)***

अफ्रीकी चीता

भारत में चीतों का पुनर्वास:

- **राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA) की 19वीं बैठक में MoEF-CC** द्वारा **"भारत में चीता पुनर्वास के लिये कार्ययोजना"** जारी की गई थी। (जनवरी **2022**)
  - *इसी तरह की एक कार्ययोजना सर्वप्रथम वर्ष* ***2009*** *में प्रस्तावित की गई थी।*
- सितंबर **2022** में **नामीबिया से आठ चीतों को भारत में पुनर्वास हेतु लाया गया।**
  - *इन आठ चीतों को* ***मध्यप्रदेश के कुनो-पालपुर राष्ट्रीय उद्यान*** *में स्थानांतरित किया जाएगा।*
- नामीबिया से भारत में चीतों का स्थानांतरण **विश्व भर में किसी बड़े मांसाहारी जानवर की पहली स्थानांतरण परियोजना है।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/project-cheetah-4